जयपुर में ''महापौर'' की कुर्सी के लिए आधा दर्जन नामों पर नजर, चुनाव से पहले सियासी चर्चाएं शुरू

पूर्व महापौर से लेकर संगठन के अनुभवी चेहरों तक दावेदारी की चर्चा

पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल और भाजपा के जयपुर जिलाध्यक्ष रह चुके सुनील कोठारी ने पार्षद के लिए नामांकन दाखिल किया। फोटो-राष्ट्रदूत

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर नगर निगम चुनाव के लिए भाजपा ने सभी 150 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। अब प्रत्याशियों के मैदान में उतरने के साथ ही पार्टी के भीतर अगली बड़ी चर्चा ''महापौर'' की कुर्सी को लेकर शुरू हो गई है। भाजपा के टिकट वितरण में कई ऐसे चेहरे सामने आए हैं, जिनका संगठन, नगर निगम, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है।

ऐसे में चुनाव परिणाम आने से पहले ही संभावित मेयर चेहरों को लेकर सियासी अटकलें तेज हो गई हैं। मौजूदा टिकट सूची और राजनीतिक समीकरणों को देखें तो सुनील कोठारी, ज्योति खंडेलवाल, विमल अग्रवाल, सुभाष सिंघी, विमल कटियार, शैलेंद्र भार्गव और प्रतिभा शर्मा के नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं। हालांकि ''मेयर'' का चेहरा कौन होगा, यह पूरी तरह चुनाव परिणाम, भाजपा के बोर्ड बनाने की स्थिति, पार्षदों के समर्थन, संगठन की पसंद और सामाजिक समीकरणों पर निर्भर करेगा।

सुनील कोठारी : संगठन और संघ से मजबूत जुड़ाव

वार्ड 112 से भाजपा प्रत्याशी सुनील कोठारी को मेयर पद की दौड़ में मजबूत चेहरों में माना जा रहा है। कोठारी का संगठन और संघ से पुराना जुड़ाव रहा है।

वे पूर्व में जयपुर जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। संगठन में अनुभव और राजनीतिक सक्रियता के चलते उनका नाम संभावित मेयर चेहरों की चर्चा में सबसे आगे बताया जा रहा है।

ज्योति खंडेलवाल : पूर्व महापौर का अनुभव

वार्ड 110 से प्रत्याशी ज्योति खंडेलवाल पहले जयपुर की महापौर रह चुकी हैं। ऐसे में उनके पास नगर निगम चलाने का प्रत्यक्ष अनुभव है।

कांग्रेस से भाजपा में आने के बाद पार्टी ने उन्हें टिकट दिया है। यदि वे चुनाव जीतती हैं तो पूर्व महापौर का अनुभव और नगर निगम की कार्यप्रणाली की समझ उनके पक्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यही वजह है कि उनका नाम भी मेयर पद की संभावित दौड़ में प्रमुखता से लिया जा रहा है।

विमल अग्रवाल : निगम और संगठन दोनों का अनुभव

वार्ड 135 से प्रत्याशी विमल अग्रवाल भी मेयर पद के संभावित दावेदारों में शामिल हैं। वे पूर्व पार्षद रह चुके हैं और जयपुर शहर भाजपा में पूर्व जिला महामंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। यानी उनके पास नगर निकाय के साथ-साथ संगठन का भी अनुभव है। यदि वे चुनाव जीतते हैं तो यह अनुभव उनके पक्ष में जा सकता है।

सुभाष सिंघी : व्यापारिक वर्ग और संगठन का समीकरण

वार्ड 98 से भाजपा प्रत्याशी सुभाष सिंघी आर्थिक प्रकोष्ठ से जुड़े रहे हैं और व्यवसायिक क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं। ऐसे में उनका नाम व्यापारिक वर्ग और संगठन के बीच संतुलन बनाने वाले चेहरे के तौर पर चर्चा में है। हालांकि

- हालांकि इन प्रत्याशियों की पार्षद पद की जीत के बाद ही सामाजिक समीकरण और राजनैतिक अनुभव निभाएंगे अहम भूमिका

मेयर की दौड़ में उनकी स्थिति चुनाव परिणाम के बाद बनने वाले राजनीतिक समीकरणों से तय होगी।

विमल कटियार : प्रदेश संगठन में सक्रिय भूमिका

वार्ड 35 से भाजपा प्रत्याशी विमल कटियार प्रदेश संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं और प्रदेश मीडिया संयोजक की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। वे विधानसभा चुनाव में भी दावेदारी कर चुके हैं। प्रदेश स्तर पर संगठन में सक्रियता और राजनीतिक पहचान के चलते उन्हें भी संभावित नेतृत्व के चेहरों में गिना जा रहा है।

शैलेंद्र भार्गव : पूर्व जिलाध्यक्ष होने का फायदा

वार्ड 43 से प्रत्याशी शैलेंद्र भार्गव भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। संगठन में लंबे समय तक काम करने के साथ विधानसभा चुनाव में टिकट के दावेदार भी रहे हैं। ऐसे में उनका राजनीतिक कद और संगठनात्मक अनुभव उन्हें मेयर पद की संभावित दौड़ में बनाए रखता है।

प्रतिभा शर्मा : सीएम के मीडिया कोऑर्डिनेटर की पत्नी होने से चर्चा

वार्ड 87 से भाजपा प्रत्याशी प्रतिभा शर्मा भी मेयर पद की संभावित चर्चा में नया नाम बनकर सामने आई हैं। प्रतिभा शर्मा मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर आनंद शर्मा की पत्नी हैं। टिकट मिलने के बाद उनका नाम भी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि मेयर पद की दौड़ में उनकी वास्तविक स्थिति चुनाव जीतने और इसके बाद बनने वाले राजनीतिक समीकरणों पर ही निर्भर करेगी।

पार्षद जीत के बाद मेयर का समीकरण साधना चुनौती

भाजपा के सामने फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती जयपुर में मजबूत बोर्ड बनाने की है। मेयर पद की दावेदारी कर रहे सभी चेहरों के लिए पहले अपने-अपने वार्ड में जीत हासिल करना जरूरी होगा। इसके बाद पार्टी नेतृत्व संगठनात्मक अनुभव, नगर निगम का अनुभव, सामाजिक और जातीय समीकरण, वरिष्ठता, राजनीतिक स्वीकार्यता और पार्षदों के बीच समर्थन जैसे पहलुओं को ध्यान में रखकर अंतिम फैसला कर सकता है। ऐसे में अभी किसी एक नाम को मेयर का सबसे मजबूत दावेदार मानना जल्दबाजी होगी, लेकिन भाजपा की सूची सामने आने के बाद मेयर की कुर्सी के लिए आधा दर्जन से अधिक चेहरों की चर्चा ने जयपुर की सियासत को चुनाव परिणाम से पहले ही गर्म कर दिया है।

रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना में बढ़ा निवेशकों का रुझान

जयपुर। राजस्थान में औद्योगिक निवेश को गति देने और देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित करने की दिशा में रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 लगातार सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही है। योजना के 13वें चरण में निवेशकों का उत्साह एक बार फिर देखने को मिला है। रीको को 242 भूखण्डों के लिए 954 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो राज्य में औद्योगिक निवेश के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। इन भूखण्डों का कुल क्षेत्रफल लगभग 152 एकड़ है तथा इनका अनुमानित मूल्य करीब 311 करोड़ रुपये है। जिन भूखण्डों पर एक से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, उनके आवंटन के लिए 1 सितंबर 2026 को ई-लॉटरी आयोजित की जाएगी।

इस चरण में जयपुर के श्रीराम जानकी औद्योगिक क्षेत्र, कुंजबिहारीपुरा के 32 भूखण्डों के लिये सर्वाधिक 659 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त औद्योगिक क्षेत्र शिव (बालोतरा) के लिए 10 आवेदन, धुनवाला (भीलवाड़ा) के लिए 15 आवेदन, फतेहपुरा-समेलिया (भीलवाड़ा) के लिए 12 आवेदन, बोरानाडा एक्सटेंशन (बोरानाडा) के लिए 27 आवेदन तथा औद्योगिक क्षेत्र चतालिया (मंडौर) के लिए 13 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

- 13वें चरण में 242 भूखण्डों के लिये 954 आवेदन प्राप्त

उल्लेखनीय है कि प्रत्यक्ष आवंटन योजना के अब तक 12 चरण सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं। इन चरणों में 2147 औद्योगिक भूखण्डों का आवंटन किया जा चुका है, जिनके माध्यम से प्रदेश में 20,500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश तथा 42 हजार से अधिक लोगों के लिए रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसके अलावा 400 से अधिक भूखण्डों का आवंटन वर्तमान में प्रक्रियाधीन है, जिनसे 1600 करोड़ रुपये से अधिक के अतिरिक्त निवेश की संभावना है। ज्ञात रहे कि राइजिंग राजस्थान के अंतर्गत एमओयू निष्पादित करने वाले निवेशकों को प्रत्यक्ष आवंटन योजना के माध्यम से भूखण्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी दिशा में रीको निरंतर प्रभावी एवं निवेशक-अनुकूल पहल करते हुए काम कर रहा है। प्रत्यक्ष आवंटन योजना को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया राज्य में औद्योगिक निवेश को नई गति दे रही है और नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के माध्यम से रोजगार सृजन एवं प्रदेश के आर्थिक विकास को सुदृढ़ आधार मिल रहा है।

पतंजलि ने 'वेलनेस' मॉडल से किया 1.38 करोड़ मरीजों का उपचार

हरिद्वार। योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा आधारित पतंजलि के 'वेलनेस मॉडल' पर देश-दुनिया का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। पतंजलि के अनुसार, अब तक 1.38 करोड़ से अधिक मरीजों का उपचार किया जा चुका है, जिनमें 88 देशों के 45 हजार से अधिक विदेशी मरीज शामिल हैं। यूरोप, मध्य-पूर्व, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका सहित विभिन्न क्षेत्रों से मरीज उपचार के लिए पहुंचे हैं।

पतंजलि ने अब 'इंटीग्रेटेड हेल्थ मॉडल' की दिशा में कदम बढ़ाया है। उपचार कराने वाले मरीजों का डिजिटल मेडिकल रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। संस्थान के नेटवर्क में 5000 से अधिक डॉक्टर, 500 से अधिक वैज्ञानिक और 10 लाख से अधिक योग स्वयंसेवक जुड़े है।

आंकड़ों के अनुसार कुल मरीजों में 57 प्रतिशत पुरुष और 43 प्रतिशत महिलाएं हैं, जबकि 46 प्रतिशत मरीज 50 वर्ष से अधिक आयु के हैं। पतंजलि संस्थान में प्रतिदिन 15 हजार नि:शुल्क ओपीडी, अब तक 1 लाख से अधिक निशुल्क योग कक्षाएं और 500 से अधिक शोध पत्र तैयार किए जाने का

- इनमें 88 देशों के 45 हजार से अधिक विदेशी मरीज भी शामिल

दावा किया गया है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, गुजरात, हरियाणा और महाराष्ट्र से बडी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि का लक्ष्य साक्ष्य आधारित आयुर्वेद को वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था की मुख्यधारा में स्थापित करना है। डिजिटल मेडिकल रिकॉर्ड, अनुसंधान और आधुनिक तकनीक के समन्वय से समग्र स्वास्थ्य मॉडल विकसित किया जा रहा है। स्वामी रामदेव ने कहा कि योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, संतुलित आहार और वैज्ञानिक उपवास आधारित जीवनशैली लोगों के लिए स्वास्थ्य और नई आशा का माध्यम बन रही है। योग, आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को एकीकृत कर भारत को विश्व का प्रमुख हेल्थ एवं वेलनेस डेस्टिनेशन बनाने में पतंजलि अग्रणी भूमिका निभाएगा।

टिकट विवाद के बीच मंत्री खर्रा और विधायक गोपाल शर्मा की तबीयत बिगड़ी

जयपुर। राजस्थान के यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा की सोमवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि चेस्ट में इंफेक्शन की शिकायत के बाद उन्हें दोपहर डेढ बजे एसएमएस अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मेडिकल आईसीयू में ऑब्जर्वेशन पर रखा है। अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार सोमवार को मंत्री खर्रा के निवास पर अचानक उनकी तबीयत खराब हुई। उन्हें बुखार, खांसी और सांस लेने में हल्की तकलीफ की

- यूडीएच मंत्री खर्रा फिलहाल सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती है

शिकायत थी। इसके बाद परिजन और स्टाफ उन्हें एसएमएस अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद उन्हें मेडिकल आईसीयू में निगरानी में रखने का निर्णय लिया। इधर सिविल लाइन्स से भाजपा विधायक गोपाल शर्मा की भी रविवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद परिजन और स्टाफ उन्हें जयपुर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उन्हें भर्ती कर लिया गया। डॉक्टरों ने करीब 4-5 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी। गौरतलब है कि सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम चुनाव के टिकट वितरण को लेकर हुए विवाद के बाद विधायक शर्मा की तबीयत बिगड़ने की बात सामने आई है। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक चिकित्सकीय पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल विधायक को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है, जबकि मंत्री खर्रा एसएमएस अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में हैं।

झुंझुनूं में कथित अवैध पत्थर खनन और ब्लास्टिंग पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने संज्ञान लिया

झुंझुनूं/जयपुर। झुंझुनूं जिले की खेतड़ी तहसील के संजय नगर गांव में कृषि भूमि के पास कथित अवैध पत्थर खनन और भारी ब्लास्टिंग के मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने संज्ञान लिया है। मामले की सुनवाई केंद्रीय क्षेत्रीय पीठ, भोपाल में न्यायमूर्ति श्यो कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने की।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि पैतृक कृषि भूमि के समीप आवश्यक खनन पट्टों के बिना पत्थर खनन किया जा रहा है। आवेदन में करीब 500 से 700 फीट की गहराई तक भारी ब्लास्टिंग किए जाने का भी आरोप है।

आवेदक ने दावा किया है कि ब्लास्टिंग से उछले पत्थर खेत के साथ करीब एक किलोमीटर दूर स्थित मकान तक पहुंच रहे हैं। आवेदन में कंपन से फसल और संपत्ति को नुकसान, प्रदूषण से पर्यावरणीय क्षित तथा स्वास्थ्य संबंधी खतरे के आरोप भी लगाए गए हैं। संबंधित अधिकारियों से शिकायत के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने का भी दावा किया गया है।

चार विभागों को नोटिस दिया है, समिति करेगी जांच

एनजीटी ने मामले में जिला कलेक्टर झुंझुनूं, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, राजस्थान और निदेशक खान एवं भू-विज्ञान विभाग को प्रतिवादी बनाया है। अधिकरण ने मौके का निरीक्षण कर छह सप्ताह के भीतर तथ्यात्मक और की गई कार्रवाई संबंधी रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। प्रदूषण नियंत्रण मंडल को समिति के समन्वय एवं लॉजिस्टिक सहयोग की जिम्मेदारी दी गई है।

नामांकन के आखिरी दिन भाजपा-कांग्रेस में भागदौड़, बागियों ने भी ठोकी ताल

जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों से नामांकन भरने अंतिम दिन उमड़ी प्रत्याशियों की भीड़

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगर निगम जयपुर के 150 वार्डों में पार्षद चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन रहा। भाजपा और कांग्रेस ने कई वार्डों में अंतिम समय तक प्रत्याशियों के नाम घोषित किए, जिसके चलते प्रत्याशियों को सिंबल लेकर नामांकन केंद्रों तक पहुंचने के लिए काफी भागदौड़ करनी पड़ी। शहर में बनाए गए 15 नामांकन प्राप्ति केंद्रों पर दिनभर प्रत्याशियों और समर्थकों की भीड़ रही। कुछ प्रत्याशियों को पार्टी के सिंबल नामांकन स्थल पर ही पहुंचाए गए, जबकि कई प्रत्याशी अंतिम समय में केंद्रों पर पहुंचे।

टिकट नहीं मिलने से नाराज कई दावेदारों ने पार्टी से बगावत करते हुए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर दिया। इससे कई वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों के सामने बागियों की चुनौती भी खडी हो गई है।

जयपुर नगर निगम में पार्षद उम्मीदवारों ने समर्थकों के साथ पहुंचकर नामांकन दाखिल किया।

- सिंबल को लेकर वार्ड 101 में आमने-सामने आए एक नाम के दो दावेदार

टिकट कटने पर कांग्रेस कार्यकर्ता ने खोला मोर्चा

कांग्रेस कार्यकर्ता अजहरुद्दीन ने वार्ड 103 से बागी प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया। उन्होंने कहा कि वह पूर्व में पार्षद रह चुके हैं, लेकिन इस बार कांग्रेस ने टिकट रिपीट नहीं करने का हवाला देकर उनका टिकट काट दिया, जबकि कई अन्य पार्षदों को दोबारा मौका दिया गया। अजहरुद्दीन ने आरोप लगाया कि कुसुम यादव प्रकरण के दौरान उन्होंने कांग्रेस के कहने पर भाजपा का बोर्ड गिराने से इनकार किया था, इसी वजह से उनका टिकट काटा गया। उन्होंने प्रताप सिंह खाचरियावास पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए कहा कि वे कांग्रेस को अपनी जागीर समझते हैं। उन्होंने आलाकमान से मामले में हस्तक्षेप की मांग की।

नामांकन के दौरान वार्ड 101 में भाजपा के सिंबल को लेकर भी विवाद सामने आया। भाजपा की सूची में केवल 'रवि शंकर शर्मा' नाम होने से इसी नाम के दो दावेदार अपना हक जताते हुए जिला परिषद स्थित नामांकन केंद्र पहुंच गए। दोनों के समर्थकों के बीच रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष के बाहर और भीतर तीखी बहस और नोकझोंक हुई। सुभाष नगर निवासी भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष रवि शंकर शर्मा ने सिंबल के साथ अपना नामांकन दाखिल किया। उन्होंने बताया कि सूची में पिता का नाम नहीं होने से भ्रम की स्थिति बनी थी, जो अब दूर हो गई है। उनके आधिकारिक सिंबल पर पिता का नाम छगनलाल दर्ज है। वहीं संजय कॉलोनी निवासी दूसरे रवि शंकर शर्मा ने दूसरे पक्ष पर सिंबल हडपने का आरोप लगाया।

रिटर्निंग अधिकारी खुशबू शर्मा ने बताया कि सिंबल कई वकीलों के माध्यम से भी जमा कराए गए हैं। फिलहाल मामले को होल्ड पर रखा गया है। मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच के बाद ही वास्तविक दावेदार के संबंध में अंतिम निर्णय होगा।

युवा चेहरे को भी मौका

सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 101 से कांग्रेस ने युवा चेहरे दुर्गेश शर्मा को प्रत्याशी बनाया है। उन्होंने जिला परिषद स्थित नामांकन केंद्र पर सिंबल जमा कराया। टिकट मिलने पर कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास का आभार जताते हुए उन्होंने कहा कि वार्ड में सडक, कचरा और सीवरेज की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता रहेगा। दोनों दलों ने कई वार्डों में महिला प्रत्याशियों को भी मैदान में उतारा है। इसके चलते नामांकन केंद्रों पर महिला प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की भी बडी संख्या में मौजूदगी रही।

कलेक्टर ने लिया जायजा

नामांकन के अंतिम दिन जयपुर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने विभिन्न नामांकन केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि अंतिम दिन भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई हैं। 1 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। इसके बाद नाम वापसी और चुनाव चिह्न आवंटन की प्रक्रिया होगी।

आईओसीएल की पाइपलाइन से क्रूड ऑयल चुराने वाला बदमाश गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की भूमिगत सलाया-मथुरा पाइपलाइन (एसएमपीएल-24) में अवैध वाल्व लगाकर करीब 8 लाख लीटर यानी 36 टैंकर ज्वलनशील क्रूड ऑयल चोरी करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले का निवासी रविन्द्र धारी यादव (60) है। वह वर्तमान में गुजरात के भरूच में रह रहा था। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 9 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

एडीजी एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि मार्च-अप्रैल 2025 के दौरान ब्यावर जिले की मसूदा तहसील के नासून गांव में चरागाह भूमि से गुजर रही आईओसीएल की भूमिगत पाइपलाइन को निशाना बनाया गया। आरोपियों ने पाइपलाइन में अवैध रूप से वाल्व लगाया और लोहे व हाइड्रोलिक प्लास्टिक पाइप को फ्लैन्ज के जरिए जोड़ दिया। इसके बाद करीब 285 मीटर लंबी नाली खोदकर पाइपलाइन दबाई गई, जिसके जरिए बडी मात्रा में क्रूड ऑयल निकालकर चोरी किया गया। इस तरह आरोपियों ने करीब 8 लाख लीटर ज्वलनशील क्रूड ऑयल, जिसकी मात्रा लगभग 36 टैंकर के बराबर थी, चोरी कर लिया। मामले में आईओसीएल ब्यावर के सहायक प्रबंधक संजय कुमार सेन की रिपोर्ट पर एसओजी थाने में प्रकरण दर्ज किया गया था।इस मामले की गंभीरता को देखते हुए

- 36 टैंकर तेल चोरी करने वाले गिरोह का गिरफ्तार सदस्य 9 दिन के रिमांड पर
- पुलिस अब तक इस मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी

एसओजी ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई और एसओजी की गठित टीम ने घटनास्थल से एफएसएल, साइबर, फुटप्रिंट और फिंगरप्रिंट साक्ष्य जुटाए।जांच के दौरान संदिग्ध मोबाइल नंबरों के बीटीएस डेटा और सीडीआर का विश्लेषण किया गया। संदिग्धों से पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों को आपस में जोड़ने पर रविन्द्र धारी यादव की भूमिका सामने आई। इसके बाद एसओजी टीम ने उसकी तलाश शुरू की और उसे गुजरात के भरूच से गिरफ्तार कर लिया।एसओजी अधिकारियों के अनुसार, करोड़ों रुपए के इस बड़े क्रूड ऑयल चोरी प्रकरण में कार्रवाई करते हुए अब तक कुल 10 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अब रिमांड पर लिए गए रविन्द्र धारी यादव से गिरोह की कार्यप्रणाली, चोरी किए गए क्रूड ऑयल की खपत और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है।

एसओजी का कहना है कि पूछताछ के दौरान सामने आने वाली जानकारियों के आधार पर मामले में शामिल अन्य वांछित और संदिग्ध आरोपियों की तलाश की जा रही है।